हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-15 ♦देहरादून - रविवार 02 फरवरी 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्य: 1/-

स्वास्थ्य मंत्री डॉ0धन सिंह रावत ने किया डीएम की अभिनव पहल आधुनिक टीकाकरण केन्द्र लोकार्पण

देहरादून(आरएनएस)। जनपद देहरादून को आज स्वास्थ्य क्षेत्र में एक साथ कई सौगात मिल गई हैं। जिसमें प्रमुखत: जिला चिकित्सालय (कोरोनेशन) देहराद. ून में रक्तकोष भवन का निर्माण कार्य का

शिलान्यास तथा राज्य के प्रथम मॉडल टीकाकरण केन्द्र का लोकार्पण, सीएमओ आवास को लोकार्पण, आशाघर का शुभ. ारंभ माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ०धन सिंह रावत ने किया। इसके अतिरिक्त जिला चिकित्सालय के एसएसएनसीयू के लिए समर्पित एम्बुलेंस, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर रानीपोखरी 25 सीटर बस तथा 02 टीबी उन्मूलन आधुनिक वाहन को हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया तथा उप जिला चिकित्सालय रायपुर के उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ०धन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जो सुविधाएं हो सकती हैं वह सरकार पूर्ण कर रही है, ढाई वर्ष में 8500 हजार लोगों को नौकरी दी है। एएनएम के लिए वाहन हेतु खनन न्यास से धनराशि निर्गत करने पर जिलाधिकारी का धन्यवाद दिया। देहरादून में आशाओं के शत्प्रतिशत् पद भर लिए गए हैं, जिससे देहरादून जनपद में पहले संस्थागत प्रसव 60 प्रतिशत् थे अब 93 प्रतिशत् हो गए हैं। 2025 तक का लक्ष्य है कि शत्प्रतिशत् प्रसव कराने है ताकि महिलाओं को कोई दिक्कत न हो इसमें आशाओं का महत्वपूर्ण रोल है। एएनएम के पद भी पूरे हो जाएंगे। फार्मासिस्ट पूरे हैं तथा नर्स पूर्ण हो गए है। 752 एमबीबीएस चिकित्सक पूर्ण हो गए है। बैकलॉक के पद हेतु 10 दिन में विज्ञापन निकाल रहे है तीसरी बार विज्ञापन निकल रहा है यदि इस बार भी पद नही भर पाए तो जनरल कोटे से विज्ञप्ति निकाली जाएगी। सरकार अपने व्यय पर हर वर्ष 300 बच्चों पीजी करा रही है 2027 तक 300 विशेषज्ञ चिकित्सक मिल जाएगे। जल्द ही 100 वार्ड. ब्वाय के पद भर लिए जाएगें। चिकित्सालय में मरीजों को खाना अच्छा खिलाना है उन्होंने स्थानीय विधायक को कहा कि आप चिकित्सालय में मरीजो के खाने का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में तीमा. रदारों के रहने के लिए व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि 108 सेवा को और अच्छा बनाया जा रहा है,तथा जल्द 350 एम्बुलेंस मिल जाएगी जो जीपीएस सिस्टम से लेस होगी, जिन्हे मरीज एवं तीमारदार ट्रेक कर सकते है।

मा0 स्थानीय विधायक खजानदास ने जिला चिकित्सालय को विभिन्न सुविधाओं से सुशोभित करने पर मा0 स्वास्थ्य मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डीएम द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं को धरातल पर उतारने हेतु निरंतर किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि जनपद में इन सुविधाओं को धरातल पर उतारने के लिए मा0 स्वास्थ्य मंत्री का मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्होंने इस कार्य में कार्यरत टीम मुख्य चिकित्साधिकारी, एनएचएम निदेशक तथा जिला प्रशासन एवं समस्त टीम के समन्वय एवं संयुक्त प्रयास से आज यह सभी सुविधाएं जन. मानस समर्पित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो सीएचसी, पीएचसी हैं वह भी हमारे महत्वपूर्ण है, उनका भी उन्नयन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ जनमानस को मिले इससे कार्यों की गुणवत्ता एवं सरकार एवं प्रशासन का जनमानस का बीच सकारात्मक सदेंश जाता है। सरकार एवं प्रशासन को उद्देश्य है कि पब्लिक को सरकार की सेवाओं का लाभ सुगमता से मिले, हम जितने जनमानस के जुड़ेगें उतना ही जनामनस की बीच उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ पंहुचाने में मदद मिलेगी।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ०संजय जैन ने कहा कि जिलाधिकारी के प्रयासों एवं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी सहयोग से जनपद स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय स्वास्थ्यमंत्री के सहयोग तथा जिलाधिकारी के प्रयासों एवं का ही नतीजा है कि आज जनपद में ब्लड बैंक का शिलान्यास सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हो रहा है।

इस अवसर पर मा0 स्थानीय विधायक खजानदास, उपाध्यक्ष ग्रामीण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ०सुरेश चन्द्र भट्ट, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ०मंजू टम्टा, डॉ०मनोज उप्रेती, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ०संजय जैन,उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि, डॉ०दिनेश चौहान, डॉ०निधि रावत, पीआरओ प्रमोद पंवार सहित चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनपद में संचार सेवा के विस्तारीकरण कार्यों की समीक्षा की

चमोली(आरएनएस)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को चमोली जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार सेवा विस्तार के

लिए दूर संचार निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया तहसील एवं विभागीय अधिकारियों से समन्वय बनाकर विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करें और संचार विहीन क्षेत्रों को नेटवर्क सुविधा से आच्छादित किया जाए।

जिलाधिकारी ने दूर संचार निगम के अधिकारियों की सुस्त कार्य प्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में प्रस्तावित मोबाइल टावर लगाने और संचार सेवा का विस्तारीकरण कार्यो में तेजी लाई। संचार विहीन पिंडवाली गांव में भी शीघ्र संचार सेवा शुरू करें। निजी संचार कंपनी जिओ को कलगोठ में स्थापित टावर से दूरस्थ डुमक गांव को भी लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बीएसएनएल के जेटीओ लोकेश पुरोहित ने बताया कि नीति घाटी के गरपक गांव में बर्फ पिघलने के बाद मोबाइल टावर स्थापित करने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि दशोली ब्लॉक के अनसूया में मोबाइल टावर स्थापित करने की प्रक्रिया के तहत जल्द सर्वेक्षण कराया जाएगा। बताया कि जिले में 23 नए बीएसएनएल टावर का संचालन शुरु कर दिया गया है और 14 टावरों के संचालन के लिए कार्यवाही गतिमान है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, बीएसएनएल के जेटीओ विनय भट्ट सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

तीसरे दिन हरियाणा का रहा दबदबा

ऋषिकेश(आरएनएस)। टिहरी जिले के शिवपुरी में 38वें राष्ट्रीय खेल के तीसरे दिन बुधवार को बीच हैंडबॉल प्रतियोगिता के तहत आठ मुकाबले हुए, जिसमें राजस्थान, एसएससीबी, केरल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम की टीम ने मुकाबले जीते। तीसरे दिन हरियाणा की महिला टीम ने सर्वाधिक अंकों से मुकाबला जीतकर दबदबा कायम किया। बुधवार को शिवपुरी में 38वें राष्ट्रीय खेल के तहत आयोजित बीच हैंडबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन का पहला मुकाबला पुरुष वर्ग में राजस्थान और आंध्र प्रदेश के मध्य हुआ। पहले हाफ मुकाबले में राजस्थान की टीम ने 15 और आंध्र प्रदेश की टीम ने 9 अंक प्राप्त किये। दूसरे हाफ मुकाबले में राजस्थान ने 27 और आंध्र प्रदेश की टीम ने 17 अंक प्राप्त किये। इस मुकाबले में राजस्थान ने आंध्र प्रदेश को 2-0 से हराया। राजस्थान की टीम से बलधारी ने अच्छा प्रदर्शन किया। दूसरा मुकाबला एसएससीबी(स्पोर्ट्स सर्विसेज कंट्रोल बोर्ड) और उत्तराखंड के मध्य हुआ। पहले मुकाबले में एसएससीबी की टीम ने 18 और उत्तराखंड की टीम ने 15 अंक प्राप्त किये। दूसरे हाफ मुकाबले में एसएससीबी ने 19 और उत्तराखंड की टीम ने 16 अंक प्राप्त किये। यह मुकाबला एसएससीबी ने 2-0 से जीता। एसएससीबी के दीपक अहलावत ने अच्छा प्रदर्शन किया। तीसरा मुकाबला महिला वर्ग में केरल और पश्चिम बंगाल के मध्य हुआ। पहले हाफ मुकाबले में केरल ने 11 और पश्चिम बंगाल की टीम ने 8 अंक प्राप्त किये। दूसरे हाफ मुकाबले में केरल की टीम ने 16 और पश्चिम बंगाल की टीम ने 14 अंक प्राप्त किये। केरल ने 2-0 से यह मुकाबला जीता। इसमें केरल की खिलाड़ी अल्फांजो बीजू ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चौथा मुकाबला महिला वर्ग में हरियाणा और उत्तराखंड के मध्य हुआ। पहले हाफ मुकाबले में हरियाणा की टीम ने 36 अंक प्राप्त किये, जबकि उत्तराखंड की टीम दो अंक ही प्राप्त कर पाई। दूसरे हाफ मुकाबले में हरियाणा के टीम ने 25 अंक और उत्तराखंड की टीम ने 01(एक) अंक प्राप्त किया। यह मुकाबला हरियाणा ने 2-0 से जीता। इसमें हरियाणा की प्राची ने सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन किया। पांचवां मुकाबला पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश और गोवा के मध्य हुआ। पहले हाफ मुकाबले में गोवा ने 8 और उत्तर प्रदेश की टीम ने 13 अंक प्राप्त किये।

सम्पादकीय

स्वागत है ऋतुराज तुम्हारा

वसन्त ऋतु: स्वागतमस्तु तेद्य।
प्रकृतिं विभूष्य त्वमनोपम: स्यातृ।
गिरे: स्थलेषु च नित्यं प्रकाश:।
सर्वत्र सौन्दर्यकथा प्रकाशते
वसन्त: पर्यावरणस्य वरदानं सदा भवेत।
गिरौ ग्रामे च सम्पत्तिं सुखसमृद्धिं प्रयच्छतिघ

अर्थात

हे वसंत! तुम्हारा स्वागत है, तुम प्रकृति को अनुपम बना देते हो। पहाड़ों और मैदानी क्षेत्रों में सदा तुम्हारी शोभा का प्रकाश बना रहता है और तुम्हारे सौंदर्य की चर्चा सर्वत्र होती है।

वसंत ऋतु पर्यावरण के लिए सदा वरदानस्वरूप है। यह पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और सुखद आर्थिक विकास प्रदान करती है।

उत्सवधर्मी देश भारत के लिए वसंत ऋतु प्रकृति का एक अनुपम वरदान है। इस ऋतु में वातावरण सुहावना हो जाता है, पेड़-पौधों पर नए पत्ते आने लगते हैं, और फूल खिलकर धरती को रंगीन बना देते हैं। पक्षियों का मधुर गान वातावरण को आनंदमय बना देता है। यह केवल सौंदर्य का प्रतीक ही नहीं, बल्कि यह कृषि के लिए भी अत्यंत लाभकारी होता है। इस ऋतु में खेतों में फसलें लहलहाने लगती हैं, जिससे किसानों को समृद्धि प्राप्त होती है। प्रकृति मानो इस समय नए जीवन का संचार करती है, जिससे संपूर्ण पर्यावरण हरा-भरा और सुगंधित हो जाता है।

पर्वतीय क्षेत्रों और ग्रामीण जीवन के लिए वरदान है यह ऋतु। इस ऋतु में बर्फ पिघलने लगती है,नदियाँ स्वच्छ जल से भर जाती हैं,और पहाड़ों पर हरे-भरे वृक्षों की रंग बिरंगी छटा प्राकृतिक सुषमा को और बढ़ा देती है। इस ऋतु में मेले, उत्सव और त्योहारों की संख्या भी अधिक होती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।यह ऋतु केवल सुंदरता ही नहीं, बल्कि समृद्धि और खुशहाली का संदेश भी देता है।

हे ऋतुराज! अपने प्रादुर्भाव से, बहुआयामी प्रभाव से देवभूमि उत्तराखण्ड को सरसता,समरसता और सुखद सानिध्य से पोर पोर अभिसिंचित कर दो। चहुंओर सुख, संवृद्धि और अपनत्व का प्रवाह हो यही ईश्वर से कामना है।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!! जय भारत !!

डॉ.(श्रीमती) गार्गी मिश्रा

अंडा, हाई क्वालिटी प्रोटीन का नेचुरल सोर्स

विष्णु प्रिया सिंह

हार्ट अटैक, स्ट्रोक और फैटी लीवर से बचने के लिये डेली, केवल एक अंडा खायें। अगर ज्यादा अंडे खाने हैं तो योक यानी यलो पार्ट निकाल दें। अगर बॉडीख्र बिल्डिंग के लिये मसल बनानी हैं तो रोजाना बिना योक के 5 से 6 से अंडे खायें। वजह जहां बाजार में बिकने वाले प्रोटीन सप्लीमेंट की क्वालिटी पर संदेह रहता है वहीं अंडा, हाई क्वालिटी प्रोटीन का नेचुरल सोर्स है।

टीवी-रेडियो पर ष्संडे-मंडे, रोज खायें अंडेष जैसे विज्ञापन, है तो कहीं ष्अंडे खाने से हार्ट अटैक या स्ट्रोकष जैसी खबरें है। खायें या न खायें, समझ ही नहीं आता। टोटल कन्फ्यूजन। कन्फ्यूजन दूर करने के लिये जब कुछ आहार विशेषज्ञों से बात की तो उन्होंने बताया कि अंडों के लिये पक्षी पालने का चलन करीब 4000 साल पुराना है। और खाने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होते हैं मुर्गी के अंडे। बाहर सख्त खोल, अंदर पोषण से भरी जर्दी। सफेद हों या गोल्डन, पोषण गुणवत्ता में दोनों बराबर होते हैं।

मुर्गी के एक उबले अंडे में होती हैं करीब 75 कैलोरीज। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन-मिनिरल और कैरोटीनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर अंडे में होती है सबसे उम्दा प्रोटीन। करीब 6 ग्राम प्रति अंडा। ये प्रोटीन का गोल्ड स्टैंडर्ड है। बॉडी-बिल्डिंग के लिये इससे अच्छा कुछ नहीं।

पोषक तत्वों की डिटेल में जायें तो 50 ग्राम वजनी एक अंडे में 0.7 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 11.2 ग्राम लिपिड, 198 मिलीग्राम फास्फोरस, 142 मिलीग्राम सोडियम, 138 मिलीग्राम पोटैशियम, 56 मिलीग्राम कैल्शियम, 12 मिलीग्राम मैग्नीशियम और 1.75 मिलीग्राम आयरन होता है। साथ ही होते हैं विटामिन ए, बी, ई और फोलेट जैसे पोषक तत्व। लेकिन विटामिन बी सबसे ज्यादा।

अंडो के बारे में आहार विशेषज्ञों का कहना है कि कुपोषण से निपटने में इनका कोई जबाब नहीं। एंटीबैक्टीरियल, ऐंटीकैंसर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर अंडा गजब का इम्युनिटी बूस्टर है। एक मेगा अध्ययन से सिद्ध हुआ कि बच्चों में कम वजन और बौनापन दूर करने में अंडे का कोई विकल्प नहीं। अंडे में मौजूद अमीनो एसिड ष्ल्यूसीनष मांसपेशियों की निर्माण प्रक्रिया प्रोत्साहित करता है। मांसपेशियों और बोन हेल्थ दोनों के लिये उपयोगी है अंडा। इसका नियमित सेवन सरकोपेनिया यानी बढ़ती उम्र में मांसपेशियों की ताकत, द्रव्यमान और कार्य-क्षमता में आने वाली गिरावट रोककर हड्डियों को मजबूती देता है।

याद्दाश्त और थॉयराइड में कारगर

हमारे बाल बनते हैं केरोटीन प्रोटीन से। शरीर में इसकी कमी का अर्थ है एलोपेसिया यानी बाल झडना। अंडे की जर्दी में मौजूद हेयर ग्रोथ पेप्टाइड, एलोपेसिया से निपटने में उतना ही सक्षम है जितनी इसकी दवा मिनोक्सिडिल। हाई-क्वालिटी प्रोटीन से भरपूर अंडा, एलोपेसिया रोककर बालों की ग्रोथ ठीक करता है। अंडे में मौजूद ट्राइमेथिलैमाइन एंटीबैक्टीरियल रसायन हमें यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन, निमोनिया, डाइरिया और ई-कोलाई जैसे खतरनाक बैक्टीरिया से बचाता है। इसमें मौजूद ल्यूटिन और जेक्सैंथिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट आंखों को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के साथ मैकुलरडिजेनरेशन से बचाते हैं।

कमजोर याद्दाश्त बुढ़ापे की कॉमन प्रॉब्लम है। अंडे के ल्यूटिन, कोलीन और ट्रिप्टोफैन जैसे पोषक तत्व दिमाग को स्वस्थ रखते हैं। कोलीन, मेटाबोलिक फंक्शन ठीक रखने के साथ दिमाग की कार्य-क्षमता बढ़ाता है जिससे बुढ़ापे में याद्दाश्त ठीक, दिमाग सजग और सतर्क रहता है। रोज केवल एक अंडा खाने से थॉयराइड प्रॉब्लम और दिल की बीमारियों का रिस्क घटता है। वजह इसमें मौजूद आयोडीन, सेलेनियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व और हाई-डेनिस्टी लिपोप्रोटीन। ये शरीर में थॉयराइड हारमोन का संतुलन बनाकर खराब कोलेस्ट्रॉल को नसों में जमने नहीं देते।

हार्टख्रअटैक रिस्क क्यों?

जब अंडों में इतना पोषण तो हार्ट अटैक क्यों? जबाब है अंडे में मौजूद लिपिड (कोलेस्ट्रॉल)। करीब 5 ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है एक अंडे के योक (जर्दी) में। एचडीएल और एलडीएल दोनों तरह का।

विकसित भारत के लिए भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव

रवनीत सिंह बिट्टू

हमारे देश की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक प्रकाश-पुंज की तरह है, जो विकसित भारत की दिशा में हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों के रूप में प्रतिबिम्बित होता है। अब यह क्षेत्र केवल अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ता भर नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से भारत की विकास गाथा का आधार बनता जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में नीतियों, पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास के बेहतरीन मिश्रण ने इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिससे यह वैश्विक मंच पर एक मजबूत ताकत बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर वाली समृद्ध अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 में देश की स्वतंत्रता की शताब्दी तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनना है। भारत में हो रहे बदलावों के मूल में इसकी समृद्ध कृषि-जलवायु विविधता है, जो हमारे किसानों को विभिन्न प्रकार की विशिष्ट फसलें उगाने में सक्षम बनाती है। दालें, मोटे अनाज, दूध , गेहूं, चावल तथा फलों और सब्जियों के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश होने के रूप में, भारत के पास मूल्य वधर्न के लिए संसाधनों का अद्वितीय आधार मौजूद है। हमारे मेहनतकश किसानों द्वारा सावधानीपूर्वक पोषित इस कृषि प्रचुरता ने नवाचार और उद्यमिता के दौर को जन्म दिया है, जिससे उन्नतिशील खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का उदय हुआ है।यह क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास का आधार बन चुका है, जो रोजगार के अवसरों के सृजन, तकनीकी प्रगति और बाजार के नए अवसरों के निर्माण के माध्यम से विकास को गति दे रहा है। भारत शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी आबादी होने का भी दावा करता है, जिससे इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को और बढ़ावा मिलता है। उन्नत प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, इस उद्योग ने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, उत्पाद की शेल्फ लाइफ बढ़ाने और किसानों को उनके प्रयासों के लिए बेहतर रिटर्न दिलाना सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र जैसे-जैसे विकसित हो रहा है, यह न केवल गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरा उतर रहा है, बल्कि वैश्विक उपभोक्ताओं की लगातार बदलती पसंद और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपनी पेशकशों में विविधता भी ला रहा है। इस प्रकार कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच का घनिष्ठ सामंजस्य आर्थिक प्रगति के शक्तिशाली साधन का रूप ले चुका है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारे किसान और कृषि देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत के कृषि उत्पाद दुनिया के कोने- कोने में संवर्धित मूल्य और गुणवत्ता के साथ पहुंचे। ऊर्जावान और युवा कार्यबल द्वारा समर्थित इस एकीकरण के माध्यम से, हम इस सशक्त, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के उद्भव का साक्षी बन रहे हैं जो भारत को एक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाने के लिए तत्पर है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, कोविड-19 महामारी ने इस क्षेत्र के प्रभावशाली लचीलेपन को दर्शाया, जो प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के अनुरूप तेजी से अनुकूलित हुआ। रेडी-टू-ईट, रेडी-टू-कुक और मूल्य-वर्धित उत्पादों की ओर धीरे-धीरे बदलाव ने खाद्य सुरक्षा और पोषण में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने, सुविधा प्रदान करने, लंबी शेल्फ लाइफ और दूरदराज के क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए मजबूत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र आवश्यक है। यह किसानों के लिए बेहतर दामों की प्राप्ति भी सुनिश्चित करते हुए और बाजार के अवसरों में वृद्धि करते हुए, जीडीपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है और आजीविका में सहायता प्रदान करता है।

इस संबंध में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) सबसे अग्रणी है, जो पीएम किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का समर्थन कर रहा है। यह पहल अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास करके और खेत से लेकर खुदरा तक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को अनुकूलित करके इस क्षेत्र को बदल रही है। इन प्रयासों को पूर्णता प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्षमता निर्माण और विपणन में सहायता के माध्यम से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विकास को बढ़ावा देती है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) वृद्धिशील बिक्री से जुड़े वित्तीय पुरस्कारों की पेशकश करके घरेलू विनिर्माण एवं निर्यात वृद्धि को और बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, नाबार्ड के अंतर्गत 2000 करोड़ रुपये का विशेष अवसंरचना कोष इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समन्वित दृष्टिकोण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और संबंधित क्षेत्रों को उन्नत बनाने के लिए एक व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है, जो मजबूत, एकीकृत और दूरंदेशी विकास पथ सुनिश्चित करता है।

भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसका जनसांख्यिकीय लाभांश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए नई ऊंचाइयों को छूने के अनूठे और अभूतपूर्व अवसरों का सृजन करता है। सरकार के महत्वपूर्ण कर संबंधी प्रोत्साहनों, कारोबार करने में सुगमता की सुव्यवस्थित पहल और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास सहित दूरदर्शी व्यवसाय समर्थक सुधारों ने निवेश और विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया है। यह सहयोगपूर्ण परिदृश्य न केवल वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है बल्कि भारत को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में नवाचार और विस्तार के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी स्थापित करता है।

वर्ष 2023 में पिछले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, मंत्रालय 19 से 22 सितंबर 2024 तक वर्ल्ड फूड इंडिया के तीसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में खाद्य उद्योग के हर पक्ष से जुड़े हितधारक विचारों का आदान-प्रदान करने, अवसरों का अन्वेषण करने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए एक साथ आएंगे। यह एक अनोखा सम्मेलन होगा जिसमें दुनिया भर के खाद्य इकोसिस्टम से जुड़े निर्माता, उत्पादक, निवेशक, नीति-निर्माता और संगठन शामिल होंगे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 एक ऐसा मंच है, जहां हितधारक नवाचारों का अन्वेषण करने, साझेदारी बनाने और टिकाऊ खाद्य भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने के लिए एकत्रित होते हैं। आइए, हम अपने सामने मौजूद अवसरों का लाभ उठाएं तथा अधिक समृद्ध और लचीली खाद्य प्रणाली की दिशा में ऐसी यात्रा की शुरुआत करें, जो मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों को लाभान्वित करे।

कम्पनियों में भी लडकियों को दी जाती है तवज्जो

आज जब लडकियां भी लडकोंके बराबर ही शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढाते हुए वे भी शिक्षा पूरी कर नौकरी तलाशती हैं। इसमें उन्हें माता-पिता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। माता-पिता के पास इसके लिए अपने कारण हैं। यह नहीं कि उनकी मानसिकता बदली है किन्तु आर्थिक, लाभ-हानि के कारण ही वे लडकियों को दूसरे शहर में अकेले रह कर भी नौकरी करने की छूट देने लगे हैं।

सरकार ने सरकारी पदों के लिए तीस प्रतिशत स्थान महिलायों के लिये आरक्षित कर दिया है, ताकि महिलाएं भी आगे बढ सकें और इसके साथ प्राइवेट कम्पनीज भी आजकल उनकी कार्यकुशलता देख उन्हें ही प्राथमिकता देने लगी हैं। उनका दूसरा प्लस पाइंट है उनका किसी भी प्रकार की गुटबाजी और यूनियन आदि की पॉलिटिक्स से दूर रहना। इसके अलावा वे सिंनियर ज्यादा होती हैं और रिश्वत आदि से दूर रहती हैं।

आज ज्यादा से ज्यादा लडकियां पढ-लिख कर नौकरी करना चाहती हैं। बडे शहरों में तो खासकर किसी सरकारी या गैरसरकारी संस्थान में चले जाइये आपको वहां काफी तादाद में लडकियां कार्य करती मिलेंगी। इससे समाज में अनेक समस्याएं जरूर पैदा हो गई हैं लेकिन अब शायद इतना आगे बढकर पीछे मुडने का नजदीक भविष्य में तो कोई चांस नजर नहीं आता। विभिन्न वर्ग की लडकियों के विचार कुछ इस तरह हैं।

लडकी की नौकरी आज उसके दहेज का विकल्प है। समझ लीजिए विवाह के मार्केट में अपने को वैल्युवल बनाने के लिये नौकरी कर रही हैं।

बहुत पहले एक फिल्म आई थी (तपस्या)जिसमें राखी ने घर की बडी लडकी का रोल किया था। उसी पर घर की सारी जिम्मेदारी आन पडी थी जिसे उसने भाई-बहनों के लिए पिता का कर्त्तव्य निभाते हुए पूरी की। स्वयं शादी न कर छोटे भाई-बहनों को सैटल करने में ही उसने अपनी जवानी होम कर दी। इसी प्रकार हमारे यहां हजारों लडकियां ऐसी तपस्या करते हुए अपना सम्पूर्ण जीवन होम कर देती हैं। उनके लिए नौकरी उनका शौक नहीं, बल्कि मजबूरी होती है।

थोडी नरमी लाएं अपने व्यवहार में

कुछ व्यक्ति बहुत ज्यादा संवेदनशील होते है वे अपनी भावनाएं किसी दूसरे व्यक्ति के समाने छुपा नहीं पाते, खुश होने पर वे अत्यधिक उत्साहित हो जाते हैं, और वहीं अगर दुखी होने पर उनकी आंखों में तुंरत आंसूओं की बरसात होने लगती हैं। माना कि आप बहुत भावुक हैं लेकिन क्या आपने कभी इस बात को गहराई से सोचा है कि आपके ऐसे गलत व्यवहार से ऑफिस में या दूसरे व्यक्तियों पर कैसा प्रभाव पडता है। हर किसी पर चीखना-चिल्लाना, गुस्सा करना। ऐसा व्यवहार घर-परिवार के व्यक्ति तो सहन कर सकते हैं, लेकि न ऑफिस में इन सब बातों का गलत प्रभाव पडता है। आप अपने सहकर्मियों की नजरों में गिरने लगते हैं, जिसका अहसास होने पर आपके काम पर प्रभाव पडता है।

आप घर के साथ-साथ ऑफिस भी सम्भालती है, ऐसे में आपको अपने इमोशन को कंट्रोल करना और भी अच्छे तरीके से आना चाहिए, क्योंकि इससे आपके ऑफिस कार्य पर प्रभाव पड सकता है। आप अपनी इस कमी को तुंरत दूर कीजिए।

ऑफिस में यदि आपके बॉस के कुछ कह देने या डांट देने पर आप बहुत इमोशनल हो जाती है और तुंरत रोने-धोने लगती है, तो यह आदत जितनी जल्दी हो सकें बदलिए, क्योंकि आपके ऐसे व्यवहार से नौकरी पर गलत असर पडेगा।

कभी प्रोफेशनल बातों को मन से ना लगाएं, अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखें। आपका कोई विरोधी नहीं हैं,ऑफिस व घर-परिवार में व्यवहार को हमेशा अच्छा बनाने की कोशिश करें। यदि आप अपने सहकर्मी की किसी बात से असहमत हैं तो तुरन्त उस पर किसी प्रकार की प्रतिक्रिया व्यक्त न करें बल्कि कुछ समय बाद उसे आराम से बैठकर समझाइये। इससे वह आपके प्रति हमेशा सजग और सचेत रहकर कार्य करेगा। इसके साथ ही वह स्वयं ही अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करेगा।

देखा है दो सिर वाला कछुआ!

आपने जिदंगी में बहुत सारे कछुए देखे होंगे लेकिन ये कछुआ थोडा खास है। खास इसलिए है अब तक आपने एक सिर के कछुए देखे होंगे लेकिन इस कछुए के दो सिर हैं। चिडियाघर के अधिकारियों ने इसे थेलमा और लूइस नाम दिया है। हफपोस्ट की खबर के मुताबिक, जू की प्रवक्ता डेबी राइओस ने बताया कि दो सिर होने के बावजूद ये काफी स्वस्थ है।

इस जिदंगी भी आम कछुए की तरह ही है। ये आराम से तैर सकता है और चल सकता है। उन्होंने बताया कि थेलमा और लूइस की मेडिकल जांच भी कराई गई है, जिसमें उन्हें पूरी तरह से स्वस्थ पाया गया है।

हालांकि चिडियाघर के लोग इससे बहुत ज्यादा आश्चर्यचकित नहीं हैं। इससे पहले चिडियाघर में 1978 में टेक्सास नाम का एक ऐसा ही रैट स्नैक भी जन्मा था, जिसके दो मुंह थे। चिडियाघर प्रशासन ने उसका नाम जेनस रखा था। 1978 में जन्मे इस सांप की 1995 में मौत हो गई।

मास मीडिया कोर्स

मास मीडिया के अध्ययन को मास कम्युनिकेशन कहते हैं। इस कोर्स में श्रोता और दर्शक तक सूचनाओं को पहुंचानेवाले हर माध्यम की स्टडी की जाती है। इन माध्यमों में समाचार पत्र, पत्रिकाएं, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, पब्लिक रिलेशन, विज्ञापन आदि शामिल हैं। इनका अध्ययन करने के बाद प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक किसी भी माध्यम में काम कर सकती हैं।

निजी चैनल की भरमार और प्रिंट मीडिया में हो रहे विस्तार के बाद इस क्षेत्र में संभावनाएं बढी हैं। न्यूज चैनलों में लडकों की तुलना में लडकों लडकियों के लिए अधिक मौके हैं।

कौन करें-

देश-विदेश में घटनेवाली घटनाओं में रूचि रखनेवाले विद्यार्थियों के लिए इस कोसी करना अच्छा रहेगा।

अच्छे कम्युनिकेशन स्किल रखनेवाले स्टूडेंट्स भी इस कोर्स को कर सकते हैं। वाकपटु विद्यार्थी रेडियो जॉकी की तरह काम कर सकते हैं।

बडे शहरों में जनसंपर्क अधिकारियों की मांग बढी है।

अगर किसी को लगता है कि उनकी बौद्धिक क्षमता के अलावा उनका व्यक्तित्व भी काफी आकर्षक है, तो वे इस पाठ्यक्रम को कर सकते हैं।

रचनात्मक लेखन शैली में यकीन रखनेवाले विद्यार्थियों के लिए प्रिंट मीडिया में कॅरियर आजमाना अच्छा साबित हो सकता है।

कहां से करें-

इस क्षेत्र में जाने के लिए मास कम्युनिकेशन के पीजी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री कोर्स में दाखिला लिया जा सकता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स आमतौर पर 1 या 2 वर्षीय होते हैं।

जबकि डिग्री कोर्स 3 वर्षीय होता है। वैसे अलग-अलग शिक्षण संस्थानों में पीजी डिप्लोमा और स्त्रातक कोर्सेस की अवधि अलग-अलग भी होती है।

दो किलो से ज्यादा चरस के साथ बरेली का युवक गिरफ्तार

रुद्रपुर(आरएनएस)। एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने मंगलवार को चेकिंग के दौरान मनिहार खेड़ा रोड से 2.12 किलो चरस के साथ बरेली के युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम एएनटीएफ टीम धामा कॉलोनी तिराहे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान टीम को एक बाइक सवार आते दिखा। चेकिंग देख वह बाइक मोड़ने का प्रयास करने लगा। शक होने पर कर्मियों ने दौड़कर उसे पकड़ लिया। उसने अपना नाम मूल आनन्दीपुर थाना देवरनिया जिली बरेली यूपी हाल गायत्री कॉलोनी रुद्रपुर निवासी होरीलाल पुत्र केशरी लाल बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2.12 किलो चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया

कि वह भैंसिया निवासी भूरा नाम के व्यक्ति से चरस लेकर आया था। एएनटीएफ प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की बाइक और मोबाइल को कब्जे में ले लिया है। आरोपी के बताए गए भूरा नाम के युवक के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। टीम में कौशल भाकुनी, भुवन चन्द पांडेय, दिनेश चंद्र, विनोद खत्री, हरीश गोस्वामी, कंचन चौधरी शामिल रहे।

जनता के द्वार कार्यक्रम में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

नई टिहरी(आरएनएस)। चंबा ब्लॉक के डडूर में आयोजित सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बंदरों से खेती सुरक्षा करने की मांग की। कहा कि ग्रामीण मेहनत कर खेतों में फसल उगा रहे हैं। लेकिन बंदर फसलों को नुकसान पहुंचाकर उनकी मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। जिससे ग्रामीणों के सामने आजीविका की समस्या बनी हुई है। डडूर में आयोजित सरकार जनता के द्वार में जिला पंचायत राज अधिकारी एमएम खान ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। गांव की मुन्नी देवी, भगवानी देवी ने लंबे समय से किसान सम्मान निधि न मिलने की शिकायत की। ग्रामीणों ने गांव में खराब पड़ी सोलर लाइटों को ठीक

करने, गांव के लिए स्वीकृत सड़क के लिए पेड़ों के कटान की अनुमति देने, आवारा पशुओं से निजात दिलाने,गांव की झूलती लाइनों की मरम्मत करने, कोटी कॉलोनी स्थित शमशान घाट में शौचालय, पेयजल और लकड़ी के टाल की व्यवस्था करने से लेकर गांव के मुडियागांव का नाम बगासूधार रखने की मांग की।

भीरी में पुल जल्दी नहीं बना तो हाईवे जाम करेंगे

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। भीरी-डमार मोटरमार्ग को जोड़ने के लिए मन्दाकिनी नदी पर निर्माणाधीन पुल निर्माण को लेकर भीरी में ग्रामीणों का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र पुल निर्माण को लेकर कोई कार्यवाही नहीं होती है, तो उन्हें भीरी में गौरीकुंड हाईवे पर जाम करने को बाध्य होना पड़ेगा। बीते 27 जनवरी से डमार गांव के ग्रामीणों का भीरी में क्रमिक अनशन जारी है। बुधवार को भी क्षेत्रीय ग्रामीण गौरीकुंड हाईवे से सटे भीरी में एकत्रित हुए, जिसके बाद ग्रामीणों ने निर्माणाधीन पुल निर्माण को लेकर क्रमिक अनशन शुरू किया, जो तीसरे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों के धरने को लगातार समर्थन भी मिल रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2016 में भीरी-डमार मोटरमार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। जिसको दिसम्बर 2017 तक पूर्ण होना था। पीएमजीएसवाई ने मोटरमार्ग पर निर्माण कार्य तो पूरा किया, लेकिन डमार गांव को जोड़ने के लिए भीरी के नीचे मन्दाकिनी नदी पर 48 मीटर स्टील गार्डर पुल का अभी तक पूरा नहीं हो सका है। पुल का निर्माण फरवरी 2020 में शुरू होकर मई 2021 तक पूण होना था। ऐसे में चार वर्ष बाद भी पुन निर्माण पूरा न होने से ग्रामीणों में खासा रोष बना हुआ है। यह पुल शासन-प्रशासन व सम्बन्धित विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाता है। पुल निर्माण न होने से ग्रामीणों को आवाजाही में खासी दिक्कतें उठानी पड़ रही है।मोटरमार्ग संघर्ष समिति अध्यक्ष जगमोहन सिंह भण्डारी ने कहा कि कहा कि प्रदेश सरकार जहां चहुंमुखी विकास का वादा कर रही है, वही दूसरी ओर पुल का निर्माण कार्य लटकने से ग्रामीणों की समस्याएं हल नहीं हो सकी है। कहा कि पीएमजीएसवाई को अवगत कराने के बाद भी कोई सुध नहीं ली जा रही है। जिससे ग्रामीण खासे परेशान है। इस मौके पर निवर्तमान प्रधान गुड्डी देवी, पवन भण्डारी, गिरीश चौहान, किशोर बिष्ट, दिगम्बर रावत, बृजलाल, रमेश चन्द्र सेमवाल, महिपाल रौथाण, संजय रौथाण, भवानसिंह, रश्मि रावत, अनीता चौहान, सीता देवी, विनीता चौहान समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

सैंजी लगा बेमरू-डुमक मोटर मार्ग के प्रस्तावित नए सर्वे का किया स्थलीय निरीक्षण

चमोली(आरएनएस)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी मंगलवार को करीब 08 किलोमीटर पैदल चलकर जनपद चमोली के सबसे दूरस्थ गांव डुमक-कलगोठ पहुंचे और डुमक के लिए प्रस्तावित नए सड़क सर्वेक्षण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दूरस्थ गांव डुमक-कलगोठ में बुनियादी सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सैंजी लगा मैकोट बेमरू-स्यूंण-डुमक-कलगोठ मोटर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए ग्रामीण लंबे समय से मांग कर रहे है। डुमक गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पूर्व में जो सर्वे किया गया था, उस मार्ग पर आपदा के कारण बडा भूस्खलन जोन डेवलप होने से तकनीकी रूप से सघ्ड़क और पुल निर्माण किया जाना संभव नही है। पीएमजीएसवाई द्वारा डुमक गांव को सड़क से जोड़ने के लिए नया सर्वेक्षण किया गया और सड़क

निर्माण के लिए 8.87 करोड़ धनराशि स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और ग्रामीणों को साथ लेकर सड़क निर्माण हेतु प्रस्तावित रीअला. इनमेंट क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने दूरस्थ गांव डुमक के लिए सड़क निर्माण की कार्रवाई तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए। पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता प्रमोद गंगाडी ने बताया कि शासन से धनराशि स्वीकृत होने पर सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने डुमक के लिए सड़क निर्माण हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जल्द गांव तक गाडी आने की उम्मीद जताई। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने दूरस्थ डुमक-कलगोठ गांव में बुनीयादी सुविधाओं और विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी किया और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी।

नौ फरवरी को मनाया जाएगा स्थापना दिवस

हरिद्वार(आरएनएस)। इलेक्ट्रोहोम्योपैथी मेडिकल एसोसिएशन का स्थापना दिवस नौ फरवरी को बालाजी इंस्टीट्यूट एंड ईएच रिसर्च हास्पिटल अलीपुर, बहादराबाद में आयोजित किया जाएगा। इएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. केपीएस चौहान ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मदन कौशिक, विशिष्ट अतिथि बायोम फार्मा भिलाई के निदेशक डॉ. निलेश थावडे रहेंगे। समारोह में उल्लेखनीय कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ. ऋचा आर्य को अतिथि स्वागत, डॉ.वीएल अलखानिया को मंच संचालन, डॉ. एमटी अंसारी को मंच सज्जा, डॉ. बीबी कुमार को भोजन व्यवस्था, डॉ. अमरपाल अग्रवाल को प्रतिनिधि रजिस्ट्रेशन व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है।

किशोरी के विवाह में लिप्त एक और महिला पकड़ी

पिथौरागढ़(आरएनएस)। धारचूला में एक किशोरी को भगाकर उसका विवाह कराने में शामिल महिला को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक बीते 17 नवंबर को एक व्यक्ति ने पुलिस में तहरीर दी कि उनकी नाबालिग भतीजी घर से एकाएक गायब हो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं कोई सुराग नहीं लग रहा है। एसपी रेखा यादव के निर्देश पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश निवासी विक्रान्त राठी, रविन्द्र खोखर और धारचूला की यशोदा देवी की संलिप्ता सामने आई। बाद में पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही आरोपियों पर बीएनएस की धारा 61(2), 65(1), 87, 9/11 बाल विवाह प्रतिषेध और पोक्सो अधिनियम की बढ़ोत्तरी की। मामले में एक और महिला विमला देवी का भी नाम सामने आया। जो गिरफ्तारी से बचने के लिए लंबे समय से फरार चल रही थी। पुलिस ने आरोपी महिला को दर से गिरफ्तार किया है।

जमीन विवाद पर चौकी में भिड़े दो पक्ष, गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने शांतिभंग मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि कलियासौड़ के पास दो पक्षों का जमीन के कब्जे को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के विरुद्ध जमीन के स्वामित्व को लेकर प्रार्थना पत्र चौकी कलियासौड़ पर दिया था। बुधवार को जमीन विवाद को लेकर दोनों पक्ष कलियासौड़ चौकी पहुंचे। जिसके बाद दोनों पक्ष चौकी में लड़ने झगड़ने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा दोनों को काफी समझाने की कोशिश की गयी, लेकिन दोनों माने नहीं। बताया कि पुलिस ने किशोर पोखरियाल पुत्र स्व. जगदीश पोखरियाल निवासी श्रीकोट गंगानाली और दुर्गा प्रसाद पुत्र घनान्द निवासी कलियासौड़ को शांतिभंग मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कलियासौड़ विजय सैलानी, सुनील असवाल, महेन्द्र सिंह शामिल थे।

वाहन दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिला मजिस्ट्रेट आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि 13 जनवरी 2025 को तहसील अल्मोड़ा अन्तर्गत वाहन सं0 डीएल4सीएनई9465 रात्रि करीब 11:00 बजे ग्राम नौगॉव रीठागाड़ के पास जमराड़ी काफलीगैर मोटर मार्ग में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटनाग्रस्त वाहन में कुल 03 व्यक्ति सवार थे। जिनमें से दो व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी तथा एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि इस वाहन दुर्घटना के कारणों की मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट, सदर अल्मोड़ा को जॉच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने जॉच अधिकारी को निर्देश दिये है कि वाहन दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जॉच कर सुस्पष्ट जॉच आख्या एक पक्ष के अन्दर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय अल्मोडा को उपलब्ध करायेंगे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्श 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।